- दक्षिण में कपास, गन्ना एवं तम्बाकू की खेती बहुत बड़े पैमाने पर होती थी, जिनमें दास मजदूर के रूप में कार्य करते थे। दक्षिण का समाज पूर्ण रूप से दासों पर निर्भर था।
- इस प्रकार, दक्षिणी राज्य उत्तरी एवं पश्चिमी भागों की अपनी जिन विशेषताओं के कारण अलग पहचाना जाता था। वे वहाँ प्रचलित **दास व्यवस्था** और **बागान व्यवस्था** थीं।
- उत्तरी अमेरिका के नवोदित उद्योगपतियों ने विदेशी प्रतिस्पर्द्धा से बचने हेतु संरक्षण की माँग की। उनके हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी संघ द्वारा उद्योगों को संरक्षण दिया गया। किन्तु इस कदम से दक्षिण के राज्यों को आपत्ति थी, क्योंकि **संरक्षण की नीति** के कारण अब उन्हें **विनिर्मित वस्तुएँ अपेक्षाकृत महँगे मूल्य** पर मिलती थीं।
- उन्हें यह लगने लगा कि संघ का प्रयोग उत्तरी अमेरिका के हितों के लिए किया जा रहा है तथा दक्षिणी राज्यों की उपेक्षा की जा रही है।
- राजनैतिक प्रचार द्वारा दास प्रथा विरोधियों ने दक्षिणी राज्यों में एक **भय का वातावरण** उत्पन्न कर रखा था कि उत्तर द्वारा दक्षिण की ऐतिहासिक **श्रम प्रणाली** को नष्ट कर दिया जाएगा।
- 1857 ई. के प्रारम्भ में सर्वोच्च न्यायाधीश रॉजरटेनी ने बहुमत से **ड्रेड स्काट** (Dred Scott) अभियोग में घोषणा की कि कांग्रेस को दास-प्रथा हटाने का कोई अधिकार नहीं है। संविधान की ऐसी व्याख्या राष्ट्र की एकता के लिए अच्छा संकेत नहीं था। इस प्रश्न पर अमेरिका में काफी वाद-विवाद हुआ।

Scanned with CamScanner

- **अब्राहम लिंकन** तथा **स्टीफन डगलस** में राजनैतिक रूप से दास-प्रथा को लेकर **सात सार्वजनिक बहसें** हुईं, जिन्हें व्यापक आकर्षण प्राप्त हुआ। **डगलस** ने तो दृढ़ता से यह कहा कि वह दास प्रथा के प्रति उदासीन हैं।
- दास मालिकों की गलतियाँ भी गृह युद्ध का एक महत्वपूर्ण कारण बनीं। दास मालिकों की सबसे बड़ी भूल यह थी कि उन्होंने संघ को तोड़ने के प्रयास में युद्ध आरम्भ किया। यह एक दु:साहस था, जो उनकी दुर्भाग्यपूर्ण भूल सिद्ध हुई। अब तक दास-मालिकों की रक्षा संविधान और उत्तर के राजनीतिज्ञों द्वारा की जा रही थी, किन्तु अब उन्होंने संविधान को ही नकार दिया और उत्तरी मित्रों से नाता तोड़ लिया।
- अमेरिका के उत्तरी राज्यों में दासों की आर्थिक जीवन में कोई निर्णायक भूमिका नहीं थी। अत: उनके लिए दासों का महत्व गौण था। दूसरी ओर, अमेरिका के दक्षिण राज्यों में **दास प्रथा जनजीवन में घुल चुकी थी।**
- दक्षिणी राज्यों के मामले में **दास प्रथा का विषय सदैव संवेदनशील बना रहा।** जब कभी अन्य राज्यों में दास प्रथा पर

Scanned with CamScanner

लगे प्रतिबंध को इन दक्षिणी राज्यों में लागू करने की बात उठी, तो इन राज्यों ने इसे अपनी प्रभुसत्ता पर आक्रमण माना।

- उत्तरी राज्यों में दासता को मानवता पर कलंक के रूप में देखा गया तथा इसे समाप्त करने की माँग जोर शोर से उठाई गई। **समाचार-पत्रों के माध्यम** से दास विरोधी भावना को उभारा गया।
- दक्षिणी राज्यों के लिए दासों का मुद्दा लाभप्रदता से जुड़ा हुआ था। उनका तर्क था कि **दास प्रथा में श्रमिक संगठनों, हड़तालों** आदि का भय नहीं था तथा उत्तरी राज्यों के मजदूरों की तुलना में वे दासों को अधिक सुविधा प्रदान करते हैं। इस मनोवृत्ति एवं तर्कों के आधार पर दक्षिणी राज्यों ने दास प्रथा को आवश्यक बताया।
- **उत्तरी-अमेरिका में दास व्यापार समाप्त** कर दिया गया था। **दास प्रथा उत्तर में पेन्सिलवेनिया** की दक्षिणी सीमा तक बंद हो गई थी। इस सीमा रेखा को **मेसम-डिक्सन सीमा** कहा जाता था। अब अमेरिका के पश्चिमी क्षेत्रों का विस्तार हो रहा था तथा नये-नये क्षेत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में शामिल किए जा रहे थे।
- संविधान में यह स्वीकार किया गया था कि **संघीय व्यवस्थापिका** में दासों की गणना भी होगी है, किन्तु दासों की जनसंख्या यदि 500 होगी तो उसे 300 मानकर प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।
- दास राज्यों की संख्या में वृद्धि हो जाने से व्यवस्थापिका में दास राज्यों का वर्चस्व बढ़ जाने का खतरा था, इसलिए नवीन राज्यों के विलय के संदर्भ में उत्तरी अमेरिका उसे स्वतंत्र राज्य के रूप में शामिल करना चाहता था जबकि दक्षिणी राज्य उसे दास के रूप में। यह विवाद **मिसौरी राज्य** के विलय को लेकर और बढ़ गया।
- 1820 ई. में **हेनरी क्ले** (प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष) की मध्यस्थता से **मिसौरी-समझौता** संपन्न हुआ। इसके अन्तर्गत

Scanned with CamScanner

- 1820 ई. में **हेनरी क्ले** (प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष) की मध्यस्थता से **मिसौरी-समझौता** संपन्न हुआ। इसके अन्तर्गत **मिसौरी को दास राज्य के रूप** में (दास प्रथा को हटाए बिना ही) संघ में सम्मिलित कर लिया गया और कहा गया कि **63°30' अक्षांश** के उत्तर वाले क्षेत्र **लुइसियाना** में दास प्रथा जारी नहीं रहेगी।
- इसके बाद संघ में **टेक्सास** के विलय का प्रस्ताव आया। अंत में **टेक्सास दास राज्य के रूप में संघ में 1845 ई.** में शामिल हो गया। फिर **कैलिफोर्निया** के मुद्दे पर विवाद हुआ और अंततः **कैलिफोर्निया को 1850 ई.** में स्वतंत्र राज्य के रूप में सम्मिलित किया गया।
- दक्षिणी राज्यों ने इस पर उग्र विरोध जताया। अब उन्हें संतुष्ट करने के लिए एक **भगोड़ा दास कानून** लाया गया, जिसके अनुसार भागे हुए दास को पुनः पकड़ा जा सकता था।
- इस कानून का उत्तरी राज्यों ने विरोध किया, क्योंकि वे भगोड़े दासों को शरण देते थे। किन्तु **1854 ई.** में **कैन्सस** एवं **नेब्रास्का** के विलय के प्रश्न ने विवाद को और गहरा कर दिया।

Scanned with CamScanner

वस्तुतः ये दोनों राज्य 63°30' के उत्तर में स्थित थे तथा मिसौरी **समझौते** के अनुसार इन्हें स्वत्रंत राज्य के रूप में सम्मिलित किया जाना था किन्तु **स्टीफन डगलस** नामक राजनीतिज्ञ के प्रयास से इन राज्यों को दास राज्य के रूप में शामिल कर लिया गया।

Scanned with CamScanner